Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani Annexure-II

(A State University established by Govt. of Haryana Act No. 25 of 2014)

Scheme of Examination for Bachelor of Arts Hindi Compulsory

Semester – I to VI | **Credits – 24** | **Total Marks = 600**

Course/ Paper Code	Subjects	Type Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme		Total
			Theory	Turorial/FW	Total	Theory	Turorial/FW	Total	Theory	Internal Assessment	
20 U HND 101-C Semester – 1	हिन्दी साहित्य का इतिहास	CC (Core Copulsory)	4	---	**4**	4	---	**4**	80	20	**100**
20 U HND 101-AECC Semester – 1	प्रयोजनमूलक हिन्दी	AECC	2	---	**2**	2	---	**2**	40	10	**50**
20 U HND 101-NCCC-I Semester – 1	सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र NCCC-I	NCCC-I	2	---	**2**	2	---	**2**	40	10	**50**
20 U HND 201-C Semester – 2	मध्यकालीन हिन्दी कविता	CC (Core Copulsory)	4	---	**4**	4	---	**4**	80	20	**100**
20 U HND 301-C Semester – 3	आधुनिक हिन्दी कविता	CC (Core Copulsory)	4	---	**4**	4	---	**4**	80	20	**100**
20 U HND 401-C Semester – 4	हिन्दी गद्य साहित्य	CC (Core Copulsory)	4	---	**4**	4	---	**4**	80	20	**100**
20 U HND 501-C Semester – 5	कार्यालयी हिन्दी GEC	GEC	2	---	**2**	2	---	**2**	40	10	**50**
20 U HND 502-C Semester – 5	हिन्दी संचार कौशल CC	CC (Core Copulsory)									
20 U HND 601-C Semester – 6	अनुवाद विज्ञान NCCC-II	GEC	2	---	**2**	2	---	**2**	40	10	**50**
20 U HND 602-C Semester – 6	हिन्दी व्याकरण और संम्प्रेषण AECC										
Total			**24**	---	**24**	**24**	---	**24**	**480**	**120**	**600**

CC= Core Course, AECC= Ability Enhancement Courses, SEC= Skill Enhancement Courses, DSE= Discipline Specific Elective Course, NCCC= Non C.G.P.A. Compulsory Courses

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–प्रथम)
हिन्दी साहित्य का इतिहास

विषय कोड–20UHND101-C

क्रेडिट : 04
पूर्णांक :100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है,पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64अंक।

इकाई–1

1.1 आदिकाल का नामकरण एवं काल विभाजन
1.2 आदिकालीन काव्य–धाराएँ–सिद्ध,नाथ एवं जैन साहित्य
1.3 आदिकालीन प्रमुख रासो काव्य
1.4 आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ

इकाई–2

2.1 भक्ति आंदोलनः सामाजिक, राजनीतिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
2.2 प्रमुख निर्गुण कविः कबीरदास, गुरूनानक देव, रविदास
2.3 प्रमुख सगुण कविः सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई
2.4 भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ

इकाई–3

3.1 रीतिकाल की ऐतिहासिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि
3.2 रीतिकाल का नामकरण
3.3 रीतिकाल की विशेषताएँ
3.4 रीतिकालीन काव्यधाराएँः– रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध

इकाई–4

4.1 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण एवं भारतेन्दु युगीन साहित्य की विशेषताएँ
4.2 महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग,द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि
4.3 मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा
4.4 छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता एवं हिन्दी में गद्य विधाओं का उद्भव और विकास–उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

संदर्भित पुस्तकें

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी,संस्करण–1929।
2. संपादक, डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिसिंग हाऊस, संस्करण–1973।
3. डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा, हिन्दी साहित्य का इतिहास, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक, संस्करण–1982।
4. डॉ. जयभगवान गोयल, रीतिकाल का पुनर्मूल्यांकन, आत्माराम एडं संस, नई दिल्ल, संस्करण–1984।
5. डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, संस्करण–2004।
6. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण–2007।
7. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी,संस्करण–2015।
8. शिव कुमार शर्मा, हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2015।
9. संपादक, डॉ. नगेन्द्र,हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नई दिल्ली, संस्करण–2019।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–प्रथम)
प्रयोजनमूलक हिन्दी

विषय कोड–20UHND101-AECC

केडिट : 02
पूर्णांक : 50
लिखित : 40
आन्तरिक मूल्यांकन : 10
समय : 2 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 4X2=8अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 8X4=32अंक।

इकाई–1

1.1 प्रयोजनमूलक हिन्दी का अर्थ एवं परिभाषा।
1.2 प्रयोजनमूलक हिन्दी के क्षेत्र।
1.3 प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रकार।
1.4 प्रयोजनमूलक हिन्दी का महत्त्व।

इकाई–2

2.1 पत्र लेखन :– सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र।
2.2 संक्षेपण।
2.3 पल्लवन।
2.4 टिप्पण।

इकाई–3

3.1 कम्प्यूटर में हिन्दी प्रयोग।
3.2 कम्प्यूटर की संरचना
3.3 इंटरनेट कार्यप्रणाली।
3.4 हिन्दी में इंटरनेट की उपयोगिता।

इकाई–4

4.1 विविध संचार माध्यमों की उपयोगिता।
4.2 रेडियो ।
4.3 टेलिविजन।
4.4 विज्ञापन।

संदर्भित पुस्तकें

1. प्रशासनिक शब्दावली, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली, संस्करण–2003।
2. डॉ. रामगोपाल सिंह, प्रयोजनमूलक हिन्दी, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद, संस्करण–2005।
3. कैलाशनाथ पाण्डेय, प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2007।
4. डॉ. पूरनचंद टंडन, हिन्दी, प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद, किताबघर, नई दिल्ली, संस्करण–2011।
5. सुरेशकातं, बैंकों में हिन्दी का प्रयोग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2013।
6. डॉ. नरेश मिश्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली, संस्करण–2013।
7. माधव सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2015।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–प्रथम)
सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

केडिट : 02
पूर्णांक : 50
लिखित परीक्षा : 40
आन्तरिक मूल्यांकन : 10
समय : 2 घण्टे

विषय कोड–20UHND101-(NCCC-I)

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 4X2=8अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 8X4=32अंक।

इकाई–1

1.1 सृजनात्मक अर्थ, स्वरूप और महत्त्व।
1.2 सृजनात्मक लेखन के प्रमुख तत्त्व
1.3 सृजनात्मक लेखन की प्रमुख विशेषताएं
1.4 सृजनात्मक लेखन के उद्देश्य।

इकाई–2

2.1 रिपोर्ताज : अर्थ, स्वरूप,
2.2 रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन–प्रविधि।
2.3 फीचर लेखन : विषय–चयन, सामग्री–निर्धारण, लेखन–प्रविधि।
2.4 सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।

इकाई–3

3.1 साक्षात्कार : (इण्टरव्यू/भेंटवार्त्ता) : उद्देश्य एवं प्रकार
3.2 साक्षात्कार–प्रविधि और महत्त्व।
3.3 स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ

इकाई–4

4.1 स्लोगन और भाषण
4.2 बैनर, पोस्टर, होर्डिंगस।
4.3 बाल साहित्य लेखन
4.4 रेखाचित्र,छायाचित्र और कार्टून लेखन

संदर्भित पुस्तकें

1. प्रशासनिक शब्दावली, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली, संस्करण–2003।
2. शकुंतला पांचाल, हिन्दी अनुवाद एवं भाषिक संरचना, अभय प्रकाशन, कानपुर, संस्करण–2005।
3. एच.आर.एफ. कीटिंग, राइटिंग क्रिएटिव फिक्शन, संस्करण–2008।
4. डॉ. सुरेश सिंहल, सृजनात्मक साहित्य का अनुवादः स्वरूप एवं समस्याएँ, सार्थक प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2009।
5. कामता प्रसाद गुरु, हिन्दी व्याकरण, साहित्यवाचस्पति, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, संस्करण–2009।
6. संपादक, रमेश गौतम, रचनात्मक लेखन, संस्करण–2016।
7. कुमार विमल, कविता–रचना–प्रक्रिया, संस्करण–2018।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–द्वितीय)
मध्यकालीन हिन्दी कविता

विषय कोड–20UHND201-C

क्रेडिट : 04
पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, जिसमें पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 10X4=40अंक।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित (मध्यकालीन हिन्दी कविता) आठ कवियों की कविताओं में से पाँच व्याख्याएँ पूछी जाएंगी, जिनमें से तीन व्याख्याएं करनी होंगी 8+8+8=24 अंक

इकाई–1

1.1 कबीर तथा सूरदास का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएँ
पाठ्यपुस्तक – कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुन्दर दास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा।

1.2 कबीर की साखियाँ – गुरुदेव को अंग, दोहा संख्या–3,4,5,6,7
कुसंगति को अंग 6,7,8,9,10
पाठ्यपुस्तक – भ्रमरगीत सार, सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल

1.3 सूरदास के पद– 1,2,4,5,43,44

इकाई–2

2.1 तुलसीदास तथा मीराबाई का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएँ
पाठ्यपुस्तक – कवितावली, गीताप्रैस गोरखपुर

2.2 बालकांड– 1,2,3
उत्तरकांड– 96,97,98,99,100,105,106
पाठ्यपुस्तक– मीराबाई की पदावली, सं.आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन

2.3 मीरा के पद – 5,17,18,19,22,23,25,41,73,158

इकाई–3

3.1 रसखान तथा बिहारी का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएँ
पाठ्यपुस्तक– रसखान रचनावली, सं.विद्यानिवास मिश्र, सत्यदेव मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,सं.1993

3.2 रसखान के पद– 1,2,3,4,5,6,7,8,9,10,
पाठ्यपुस्तक– बिहारी रत्नाकर, जगन्नाथ रत्नाकर, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली

3.3 बिहारी के दोहे – 2,15,20,25,38,46,69,70,110,123

इकाई–4

4.1 भूषण तथा घनानंद का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएँ
पाठ्यपुस्तक– भूषण ग्रंथावली, संपादक विश्व नाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, संस्करण –2015

4.2 शिवराजभूषण – 2,3,4,5,6,7,8,9,10,11 दोहे
पाठ्यपुस्तक– घनानंद कवित्त, सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्रकाशक वाणी वितान प्रकाशन वाराणसी

4.3 घनानंद के छंद – 1,2,3,4,5,6,7,8,9,10

संदर्भित पुस्तकें

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, गोस्वामी तुलसीदास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2003।
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी, कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2011।
3. संपादक, तारकनाथ बाली, भूषण ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2012।
4. संपादक, विद्यानिवास मिश्र, रसखान रचनावली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2014।
5. अरविन्द सिंह तेजावत, मीरा का जीवन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण–2015।
6. रामदेश शुक्ल, घनानंद का काव्य, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2017।
7. जगन्नाथदास रत्नाकर, बिहारी रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन,नई दिल्ली, संस्करण–2018।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–तृतीय)
आधुनिक हिन्दी कविता

विषय कोड–20UHND301-C

केडिट : 04
पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16अंक।
2. दूसरे प्रश्न के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 10X4=40अंक।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित (आधुनिक हिन्दी कविता) आठ कवियों की कविताओं में से पाँच व्याख्याएँ पूछी जाएंगी, जिनमें से तीन व्याख्याएँ करनी होंगी 8+8+8=24 अंक

इकाई–1

1.1 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र तथा अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का व्यक्तित्व एवं कृतित्वः सामान्य परिचय
1.2 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की कविताएँ : निज भाषा उन्नति अहै, प्रेम माधुरी।
1.3 अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की कविता : पवनदूती

इकाई–2

2.1 मैथिलीशरण गुप्त तथा जयशंकरप्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व : सामान्य परिचय
2.2 मैथिलीशरण गुप्त की कविताएँः यशोधरा महाकाव्य से यशोधरा भाग, भारत–भारती के प्रथम खण्ड से आर्य स्त्रियां, संदेश यहाँ मैं नहीं स्वर्ग का लाया
2.3 जयशंकर प्रसाद की कविताएँ : श्रद्धा सर्ग, हिमाद्रि तुंग श्रृंग, बीती विभावरी जाग री

इकाई–3

3.1 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला तथा महादेवी वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व :सामान्य परिचय
3.2 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की कविताएँ : विधवा, वीणा वादिनी, जागो फिर एक बार
3.3 महादेवी वर्मा की कविताएँ : कह दे मां अब क्या देखूँ, कौन तुम मेरे हृदय में, मै नीर भरी दुःख की बदली, वे मुस्काते फूल

इकाई–4

4.1 नागार्जुन तथा नरेश मेहता का व्यक्तित्व एवं कृतित्व : सामान्य परिचय
4.2 नागार्जुन की कविताएँ : उनको प्रणाम, गुलाबी चूड़ियाँ
4.3 नरेश मेहता की कविताएँ : समय देवता,अरण्यानी से वापसी

संदर्भित पुस्तकें

1. डॉ कैलाश वाजपेयी, आधुनिक हिन्दी कविता में शिल्प, आत्माराम एण्ड सन्स, नई दिल्ली, संस्करण–1963।
2. प्रकाश आतुर, राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : एक पुनर्मूल्यांकन, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर, संस्करण–1987।
3. रतन कुमार, आधुनिक हिन्दी कविता का वैचारिक पक्ष, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण–2000।
4. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, हिन्दी कविता के सौ वर्ष, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, संस्करण–2010।
5. डॉ. नंद किशोर नवल, आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, संस्करण–2012।
6. लीलाधर मंडलोई, कविता के सौ वर्ष, शिल्पायन, नई दिल्ली, संस्करण–2013।
7. संपादक, सदानंद शाही, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2018।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–चतुर्थ)
हिन्दी गद्य साहित्य

विषय कोड–20UHND401-C

केडिट : 04
पूर्णांकः 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, जिसमें पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 10X4=40अंक।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित (हिन्दी गद्य साहित्य) आठ रचनाकारों में से पाँच व्याख्याएँ पूछी जाएंगी, जिनमें से तीन व्याख्याएँ करनी होंगी 8+8+8=24 अंक।

इकाई–1

1.1 जैनेन्द्र कुमार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
1.2 उपन्यास : त्यागपत्र–पाठपरक अध्ययन
1.3 त्यागपत्र : तात्त्विक समीक्षा

इकाई–2

2.1 प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद,यशपाल एवं उषा प्रियंवदा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2.2 निम्नलिखित कहानियों का पाठपरक अध्ययन
2.3 कहानी :
- नमक का दरोगा– प्रेमचन्द
- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- परदा– यशपाल
- वापसी– उषा प्रियंवदा

2.4 उपर्युक्त कहानियों की तात्त्विक समीक्षा

इकाई–3

3.1 रामचन्द्र शुक्ल तथा हजारी प्रसाद द्विवेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
3.2 निम्नलिखित निबन्धों का पाठपरक अध्ययन
निबंध :
- लोभ और प्रीति –रामचन्द्र शुक्ल
- कुटज–हजारी प्रसाद द्विवेदी

3.3 उपर्युक्त निबंधों की निबन्ध–कला

इकाई–4

4.1 महादेवी वर्मा तथा प्रभा खेतान का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
4.2 निम्नलिखित लेखों का पाठपरक अध्ययन
- युद्व और नारी (शृंखला की कड़ियों से)– महादेवी वर्मा
- आधी दुनिया का श्रम और भूमण्डलीकरण–प्रभा खेतान (उपनिवेश में स्त्री से)

4.3 उपर्युक्त लेखों की समीक्षा

संदर्भित पुस्तकें

1. रामदरश मिश्र, हिन्दी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2001।
2. डॉ राजमणि शर्मा, प्रसाद का गद्य साहित्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2002।
3. गोपाल राय, हिन्दी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2005।
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिन्दी गद्य विन्यास और विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण–2006।
5. रामविलास शर्मा, प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2008।
6. पुष्पपाल सिंह, भूमण्डलीकरण और हिन्दी उपन्यास, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2012।
7. रामचन्द्र तिवारी, हिन्दी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण–2014।
8. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, चिंतामणि भाग–1, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, संस्करण–2017।
9. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, कुटज, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण–2017।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–पांचवाँ)
कार्यालयी हिन्दी

विषय कोड–20UHND501-C (GEC)

केडिट : 02
पूर्णांक : 50
लिखित परीक्षा : 40
आन्तरिक मूल्यांकन : 10
समय : 2 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 4X2=8अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 8X4=32अंक।

इकाई–1

1. कार्यालयी हिन्दी : अभिप्रायः तथा उद्देश्य।
2. सामान्य हिन्दी तथा कार्यालयी हिन्दी में सम्बंध और अन्तर।
3. कार्यालयी हिन्दी : स्थिति और संभावनाएँ।
4. कार्यालयी हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : सरकारी, अर्ध–सरकारी, सार्वजनिक उपक्रम

इकाई–2

1. कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली
2. पदनाम, अनुभाग के नाम
3. मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अधिकरियों के लिए प्रयुक्त होने वाले सम्बोधन और निर्देश
4. औपचारिक पदावली/अभिव्यक्तियाँ

इकाई–3

1. पत्राचार के विविध रूप : सामान्य परिचय
2. पत्र
3. ज्ञापन
4. परिपत्र
5. प्रशासनिक पत्र
6. अनुस्मारक
7. पृष्ठांकन (एंडोर्समेंट)
8. अधिसूचना
9. निविदा
10. संकल्प (रेजोल्यूशन)
11. प्रैस विज्ञप्ति
12. घोषणा (प्रोक्लेमेशन)
13. आबेदन

इकाई–4

टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, प्रतिवेदन, अनुवाद अभ्यास
प्रारूपण : तत्त्व, प्रकिया,लेखन विधि
टिप्पण : प्रकार, लेखन विधि
संक्षेपण : तत्त्व, प्रकार,लेखन विधि
प्रतिवेदन : तत्त्व, लेखन विधि
अनुवाद अभ्यास (हिन्दी–अंग्रेजी)

संदर्भित पुस्तकें

1. तकनीकी शब्दावली वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली आयोग, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय आर के पुरम, नई दिल्ली।
2. भोलानाथ तिवारी, अनुवाद विज्ञान, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–1972।
3. कृष्ण कुमार गोस्वामी, प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–1995।
4. प्रशासनिक शब्दावली, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली, संस्करण–2003।
5. राम गोपाल सिंह जादौन, प्रयोजनमूलक हिन्दी, लता साहित्य सदन, गाजियाबाद, संस्करण–2005।
6. शकुंतला पांचाल, हिन्दी अनुवाद एवं भाषिक संरचना, अभय प्रकाशन, कानपुर, संस्करण–2005।
7. कैलाशनाथ पांडेय, प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2007।
8. माधव सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2015।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–पांचवाँ)
हिन्दी संचार कौशल

विषय कोड–20UHND502-C (CC)

केडिट : 02
पूर्णांक : 50
लिखित परीक्षा : 40
आन्तरिक मूल्यांकन : 10
समय : 2 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 4X2=8अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 8X4=32अंक।

इकाई–1

1. भाषा : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप।
2. भाषा के प्रकार।
3. भाषा की विशेषताएँ।
4. भाषा की उपयोगिता एवं महत्व।

इकाई–2

1. हिन्दी भाषा उद्‌भव और विकास।
2. हिन्दी के विविध रूप – मातृभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा।
3. बोली, उपभाषा और भाषा।
4. मानक हिन्दी के तत्वः ध्वनि, शब्द, वाक्य, अर्थ।

इकाई–3

1. संचार : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप।
2. संचार के प्रकार।
3. संचार की प्रक्रिया।
4. संचार का महत्व।

इकाई–4

1. संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास।
2. प्रभावी संचार कौशल।
3. संचार कौशल के सिद्धान्त।
4. संचार कौशल की प्रासंगिकता।

संदर्भित पुस्तकें:

1. हरदेव बाहरी, हिन्दी उद्‌भव और विकास, प्रकाशक किताब महल, इलाहाबाद, संस्करण–1966।
2. उदय नारायण तिवारी, हिन्दी भाषा, उद्‌गम और विकास, प्रकाशक भारती भंडार, इलाहाबाद, संस्करण–1961।
3. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, हिन्दी भाषा शिक्षण, सहकारी प्रकाशन नई दिल्ली, संस्करण–1984।
4. डॉ नरेश मिश्र, भाषा और हिन्दी भाषा का इतिहास, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, संस्करण–2006।
5. अरूण चतुर्वेदी, संप्रेषण कला, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, संस्करण–2007।
6. श्रीकान्त सिंह, संप्रेषणः प्रतिरूप एवं सिद्धान्त, भारती पब्लिशर, फैजाबाद, संस्करण–2009।
7. डॉ. भोलानाथ तिवारी, सम्प्रेषण और सम्प्रेषण, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, संस्करण–2010।

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर–छठा)
अनुवाद विज्ञान

विषय कोड–20UHND601-(NCCC-II)

केडिट : 02
पूर्णांक : 50
लिखित परीक्षा : 40
आन्तरिक मूल्यांकन : 10
समय : 2 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 4X2=8अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 8X4=32अंक।

इकाई–1

1.1 अनुवाद का अर्थ, स्वरूप और विशेषताएं।
1.2 अनुवाद के प्रकार (शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद)
1.3 अनुवाद सिद्धान्त।
1.4 अनुवाद का महत्त्व।

इकाई–2

2.1 साहित्यिक सम्बन्धी अनुवादः– पद्य और गद्य
2.2 विज्ञान सम्बन्धी अनुवाद
2.3 वाणिज्यिक अनुवाद

इकाई–3

3.1 वैज्ञानिक शब्दावली का अनुवाद
3.2 मुहावरों का अनुवाद।
3.3 लोकोक्तियों का अनुवाद
3.4 भारत में अनुवाद प्रशिक्षण के प्रमुख केन्द्र।

इकाई–4

4.1 बैकों में प्रयुक्त होने वाली पारिभाषिक शब्दावली के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।
4.2 रेलवे में प्रयुक्त होने वाली पारिभाषिक शब्दावली के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।
4.3 कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली पारिभाषिक शब्दावली के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।
4.4 प्रशासन में प्रयुक्त होने वाली पारिभाषिक शब्दावली के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप

संदर्भित पुस्तकें

1. डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्ण कुमार गोस्वामी, अनुवादः सिद्धान्त और समस्याएं, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–1985।
2. डॉ. जी. गोपीनाथन, अनुवादः सिद्धान्त और प्रयोग लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 1985।
3. डॉ. भोला नाथ तिवारी, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार, प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–1986।
4. डॉ. भोला नाथ तिवारी, अनुवादः प्रकिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2004।
5. सुरेश कुमार, अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2011।
6. डॉ. रामगोपाल सिंह जादौन, अनुवाद के विविध आयाम, लता साहित्य सदन, गाजियाबाद, संस्करण–2012।
7. संपादक, डॉ. नगेन्द्र ,अनुवाद विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, संस्करण–2015।
8. डॉ. किशोरी लाल कलवार, हिन्दी अनुवाद परम्परा एक अनुशीलन, नवभारत प्रकाशन,शाहदरा, नई दिल्ली, संस्करण–2019।
9. तकनीकी शब्दावली वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय आर के पुरम, नई दिल्ली।

CHAUDHARY BANSI LAL UNIVERSITY BHIWANI

DEPARTMENT OF HINDI

UNDERGRADUATE PROGRAMME

SYLLABUS OF B.Sc. COURSES TO BE OFFERED

Core Courses, DSE, GEC& Ability Enhancement Courses

Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani Annexure-II

(A State University established by Govt. of Haryana Act No. 25 of 2014)

Scheme of Examination for B.Sc. Hindi

Semester – III

Credits – 02

Total Marks = 50

Course/ Paper Code	Subjects	Type Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme		Total
			Theory	Turorial/FW	Total	Theory	Turorial/FW	Total	Theory	Internal Assessment	
20 U HND 301-B Semester - 3	हिन्दी काव्य और विज्ञान	AECC	2	---	2	2	---	2	40	10	50
Total			**2**	**---**	**2**	**2**	**--**	**2**	**40**	**10**	**50**

AECC= Ability Enhancement Courses

बी.एस.सी. हिन्दी अनिवार्य
हिन्दीकाव्य और विज्ञान

विषय कोड–20UHND301-B

क्रेडिट : 02
पूर्णांक : 50
लिखित : 40
आन्तरिक मूल्यांकन : 10
समय : 2 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, जिसमें पूरे पाठ्यक्रम से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 4X2=8अंक।
2. दूसरे प्रश्न में पाठ्यक्रम में निर्धारित चार कवियों (मैथिलीशरण गुप्त, माखन लाल चतुर्वेदी, सुभद्रा कुमारी चौहान, रामधारी सिंह दिनकर) की कविताओं में से चार व्याख्याएँ पूछी जाएंगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करनी होंगी 6+6=12 अंक
3. तीसरे प्रश्न में वैज्ञानिक शब्दावली के अन्तर्गत दस शब्दों के हिन्दी पर्याय लिखने होगें 1X10=10अंक
4. चौथे प्रश्न में पाँच निबंध पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक विषय पर लगभग 500 शब्दों में एक निबंध लिखना होगा 1X10=10अंक

इकाई–1

निर्धारित कविताएं

1.1 मैथिलीशरण गुप्त –(1886–1964) जय भारत, मातृभूमि, आशा, संदेश, भारत–भारती से हम कौन थे, क्या हो गये हैं, और क्या होंगे अभी।
1.2 माखन लाल चतुर्वेदी – (1880–1970)
पुष्प की अभिलाषा, अमर निशानी, कैदी और कोकिला, हिमतरंगिणी, माता, समर्पण

इकाई–2

2.1 सुभद्रा कुमारी चौहान (1904–1947)–झाँसी की रानी,जलियांवाला बाग में बंसत
2.2 रामधारी सिंह दिनकर (1908–1974) कृष्ण की चेतावनी,आशा का दीपक,शक्ति और क्षमा

इकाई–3

3.1 विज्ञान का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र और महत्त्व
3.2 वैज्ञानिक शब्दावली
3.3 हिन्दी में विज्ञान–लेखन
3.4 हिन्दी में विज्ञान–लेखन की कठिनाइयां

इकाई–4

निबन्ध लेखन

4.1 विज्ञान और पर्यावरण प्रदूषण, वैज्ञानिक प्रगति में भारत का योगदान
4.2 विश्वविख्यात वैज्ञानिक और उनके आविष्कार, विज्ञान और हिन्दी साहित्य
4.3 विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी, हिन्दी और वैज्ञानिक अनुवाद
4.4 वैश्वीकरण और विज्ञान, विज्ञान में हिन्दी लेखन, मेरा प्रिय वैज्ञानिक

संदर्भित पुस्तकें

1. प्रकाश आतुर, राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्तः एक पुनर्मूल्यांकन, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर, संस्करण–1987।
2. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, हिन्दी कविता के सौ बरस, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, संस्करण–2011।
3. डॉ. कैलाश वाजपेयी, आधुनिक हिन्दी कविता में शिल्प, आत्माराम एण्ड सन्स, नई दिल्ली, संस्करण–1963।
4. नंद किशोर नवल, आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास,भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, संस्करण–2012।
5. प्रशासनिक शब्दावली, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, आर के पुरम नई दिल्ली, संस्करण–2003।
6. तनसुखराम गुप्त, 401 हिन्दी निबन्ध, आकांक्षा प्रकाशन, लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली, संस्करण–2012।
7. रवि कुमार, विज्ञानमय भारत (अतीत, वर्तमान और भविष्य), पुण्य भूमि प्रकाशन फाऊंडेशन पानीपत, संस्करण–2017।

27

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(सेमेस्टर– छठा)
हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण कौशल

विषय कोड–20UHND602-(AECC)

केडिट : 02
पूर्णांक : 50
लिखित : 40
आन्तरिक मूल्यांकन : 10
समय : 2 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 4X2=8अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 8X4=32अंक।

इकाई–1

भाषिक सम्प्रेषण : स्वरूप और सिद्धान्त

1. सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
2. सम्प्रेषण की प्रक्रिया
3. सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल
4. अभाषिक संम्प्रेषण

इकाई– 2

सम्प्रेषण के प्रकार

1. मौखिक और लिखित सम्प्रेषण
2. वैयक्तिक, सामाजिक और व्यवसायिक सम्प्रेषण
3. भ्रामर्क सम्प्रेषण और प्रभावी सम्प्रेषण में अन्तर
4. सम्प्रेषण में चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ .

इकाई– 3

सम्प्रेषण के माध्यम

1. एकालाप और संलाप
2. संवाद
3. सामूहिक चर्चा
4. मशीनी माध्यम : ई–मेल, सोशल मीडिया,एस.एम.एस., इंटरनेट, फीडबैक, मौखिक और लिखित सम्प्रेषण

इकाई– 4

मौखिक और लिखित सम्प्रेषण

1. बोलना : भाषण, वॉयस ओवर,वाद–विवाद
2. लिखना : पत्र लेखन, अनुच्छेद लेखन, पल्लवन, संक्षेपण
3. पढ़ना : कविता पठन, नाट्यांश पठन, समाचार वाचन
4. समझना : विवरण, वर्णन, विश्लेषण, व्याख्या

संदर्भित पुस्तकें

1. रामगोपाल सिंह, आधुनिक हिन्दी व्याकरण, पार्श्व प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण–2005।
2. कामता प्रसाद गुरु, हिन्दी व्याकरण, साहित्यवाचस्पति, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, संस्करण–2009।
3. प्रो.हरिमोहन, अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2014।
4. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, हिन्दी का समाजिक संदर्भ, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, संस्करण–2015।
5. डॉ. ब्रजमोहन, भाषा और व्यवहार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2016।
6. सुरेश कुमार, सम्प्रेषणपरक व्याकरण : सिद्धान्त और प्रारूप, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, संस्करण–2018।
7. डॉ. मंजु मुकुल, सम्प्रेषण : चिंतन और दक्षता, हिन्दी बुक सेन्टर, नई दिल्ली, संस्करण–2019।

CHAUDHARY BANSI LAL UNIVERSITY BHIWANI

DEPARTMENT OF HINDI

UNDERGRADUATE PROGRAMME

Syllabus of B.A.Elective Courseto Be Offered

Core Courses, DSE, SEC& Ability Enhancement Courses

Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani Annexure-II

(A State University established by Govt. of Haryana Act No. 25 of 2014)

Scheme of Examination for Bachelor of Arts Hindi Elective

Semester – I to VI **Credits – 36** **Total Marks = 600**

Course/ Paper Code	Subjects	Type Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme		Total
			Theory	Turorial/FW	Total	Theory	Turorial/FW	Total	Theory	Internal Assessment	
20 U HND 101-E Semester - 1	हिन्दी साहित्य का इतिहास	CC (Core Optional)	5	1	6	5	1	6	80	20	100
20 U HND 201-E Semester - 2	आदिकालीन और मध्यकालीन हिन्दी कविता	CC (Core Optional)	5	1	6	5	1	6	80	20	100
20 U HND 301-E Semester - 3	आधुनिक हिन्दी कविता	CC (Core Optional)	5	1	6	5	1	6	80	20	100
20 U HND 401-E Semester - 4	हिन्दी गद्य साहित्य	CC (Core Optional)	5	1	6	5	1	6	80	20	100
20 U HND 501-E Semester – 5 20 U HND 502-E	हिन्दी भाषा और संप्रेषण (Option-I) प्रयोजनमूलक हिन्दी (Option-II)	DSEC	5	1	6	5	1	6	80	20	100
20 U HND 601-E Semester – 6 20 U HND 602-E	कम्प्यूटर और हिन्दी भाषा (Option-I) हिन्दी संत काव्यधारा (Option-II)	DSEC	5	1	6	5	1	6	80	20	100
Total			**30**	**6**	**36**	**30**	**6**	**36**	**480**	**120**	**600**

CC= Core Course, AECC= Ability Enhancement Compulsory Courses, DSEC= Discipline Specific Elective Course

बी.ए. ऐच्छिक कोर्स
(प्रथम सेमेस्टर)
हिन्दी साहित्य का इतिहास

विषय कोड–20UHND101-E

क्रेडिट : 06
पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64 अंक।

इकाई–1

1.1 हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की परंपरा।
1.2 हिन्दी साहित्य : काल–विभाजन एवं नामकरण
1.3 सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य की प्रवृत्तियाँ।
1.4 रासो काव्य की प्रवृत्तियाँ।

इकाई–2

2.1 भक्ति आन्दोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप।
2.2 निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा और प्रेममार्गी शाखा की प्रवृत्तियाँ) ।
2.3 सगुण धारा (रामभक्ति काव्य, कृष्णभक्ति काव्य की प्रवृत्तियाँ)
2.4 भक्तिकाल : स्वर्णयुग।

इकाई–3

3.1 रीतिकाल : युगीन–पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक–सांस्कृतिक, आर्थिक परिवेश)।
3.2 रीतिकाल का नामकरण।
3.3 रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ
3.4 रीतिकाव्य की धाराएँ : रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त, वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य

इकाई–4

4.1 स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरणकाल
4.2 आधुनिक काल : विविध धाराएँ : भारतेन्दुयुग, द्विवेदीयुग,छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, और नयी कविता
4.3 साठोत्तरी कविता, नवगीत, समकालीन कविता परंपरा और प्रवृत्तियाँ।
4.4 अस्मिता विमर्श : दलित स्त्री, आदिवासी, किसान, प्रवासी।

संदर्भित पुस्तकें

1. डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा, हिन्दी साहित्य का इतिहास, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक, संस्करण–1982।
2. डॉ. जयभगवान गोयल, रीतिकाल का पुनर्मूल्यांकन, आत्माराम एडं संस, नई दिल्ल, संस्करण–1984।
3. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण–2005।
4. डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, संस्करण–2009।
5. शिव कुमार शर्मा, हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2010।
6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, संस्करण–2012।
7. संपादक, डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नई दिल्ली, संस्करण–2019।
8. विश्वनाथ प्रसाद, हिन्दी साहित्य का अतीत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

14

बी.ए. ऐच्छिक कोर्स
(द्वितीय सेमेस्टर)
आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

विषय कोड–20UHND201-E

क्रेडिट : 06
पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, जिसमें पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 10X4=40 अंक।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित (आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता) आठ कवियों की कविताओं में से पाँच व्याख्याएं पूछी जांएगी, जिनमें से तीन व्याख्याएं करनी होंगी 8+8+8=24 अंक

इकाई–1

1.1 अमीर खुसरो व विद्यापति का व्यक्तित्व,कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएं।

1.2 अमीर खुसरो– अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व, डॉ. परमानंद पांचाल।कव्वाली –(1), गीत– (4,13) दोहे– 3 दोहे (पृष्ठ 86) (1) गोरी सोवे (2) खुसरो रैन (3) चकवा चकवी

1.3 विद्यापति– विद्यापति की पदावली, सम्पादक, रामवृक्ष बैनीपुरी, वंदना–1 राधा की वंदना। श्री कृष्ण का प्रेम– 35 (प्रेम प्रसंग), राधा का प्रेम–36

इकाई–2

2.1 कबीरदास और मंझन का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएं।

2.2 कबीरदास –कबीर ग्रंथावली, सम्पादक–डॉ. माता प्रसाद गुप्त
साँच को अंग (साखी 2,16)
भ्रम विधौंसण कौ अंग(1,10)
भेष कौ अंग (2,12)
साध साषीभूत कौ अंग (3,4)
सारग्राही कौ अंग (3,4)
संग्रथाई कौ अंग (9)
पद संख्या (64– काहे री नलनी .....
पद संख्या (66– अब का डरूँ.....

2.3 मंझन–मंझन–कृत 'मधुमालती, संपादक माता प्रसाद गुप्त
नख–शिख वर्णन –
1. केश वर्णन (79)
2. नासिका वर्णन (83)
3. अधर वर्णन (87)
4. दंत वर्णन (94)
5. त्रिबली वर्णन (97)

इकाई–3

3.1सूरदास व बिहारी का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएं।

3.2 सूरदास : सूरसागर सार (संपादक) धीरेन्द्र वर्मा,इलाहाबाद
विनय तथा भक्ति पद संख्या – 25 (मेरो मन अनत.....)
गोकुल–लीला पद संख्या 7 (जसोदा हरि पालनै.....)पद संख्या 18 (सोभित कर.....)
राधा–कृष्ण पद संख्या 1 (खेलत हरि निकसे.....)रासलीला पद संख्या 97 (आजु हरि....)
उद्धव–संदेश पद संख्या 141 (ऊधौ मन माने ....)पद संख्या 158 (अति मलीन....)
पद संख्या 187 (ऊधौ मोहिं ब्रज ....)

15

इकाई–4

4.1 बिहारी व घनानंद का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएं।

4.2 बिहारी–बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथदास रत्नाकर, शिवाला, वाराणसी

छंद संख्या– 1,62,103,127,128,143,180,347,363,388

4.2 घनानंद–घनानंद (ग्रंथावली), संपादक, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, बनारस

सुजानहित(1,4,7,18,19,38,41,49,54)

संदर्भित पुस्तकें

1. डॉ. शिवगोपाल मिश्र, मधुमालती, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, नई दिल्ली, संस्करण–1965।
2. सूफी–काव्य विमर्श, डॉ श्याम मनोहर पाण्डेय, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, संस्करण–1968।
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, सूरदास,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2008।
4. रामदेव शुक्ल, घनानंद का काव्य, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2009।
5. हजारी प्रसाद द्विवेदी, कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2013।
6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, गोस्वामी तुलसीदास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2015।
7. रामपूजन तिवारी, हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका, ग्रंथ वितान, पटना (बिहार), संवत्–2025।
8. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, बिहारी, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी, संवत्–2025।
9. डॉ. नगेन्द्र, रीति काव्य की भूमिका, नैशनल पब्लिसिंग हाऊस, नई दिल्ली।

बी.ए. ऐच्छिक कोर्स
(तृतीय सेमेस्टर)
आधुनिक हिन्दी कविता

विषय कोड–20UHND301-E

केडिट : 06
पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, जिसमें पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 10X4=40 अंक।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित (आधुनिक हिन्दी कविता) सात कवियों की कविताओं में से पाँच व्याख्याएं पूछी जाएंगी, जिनमें से तीन व्याख्याएँ करनी होंगी 8+8+8=24अंक

इकाई–1

1.1 मैथिलीशरण गुप्त और जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएं।

1.2 मैथिलीशरण गुप्त – यशोधरा (चुने हुए अंश)

1. सिद्धार्थ
2. महाभिनिष्क्रमण
3. सखी वे मुझसे कहकर जाते 5,6,7,8,9
4. अब कठोर–हो वज्रादपि.....7,8,9,10,11,12,13,14,
5. मानिनी,मान तजो लो,रही तुम्हारी बान।
6. दिन न हो गोपी

1.3 जयशंकर प्रसाद

1. उठ उठ री लघु, मधुप गुनगुना कर,
2. तुम्हारी आँखों का बचपन,
3. अरे कहीं देखा है तुमने,
4. अरी वरुणा की शांत कछार,
5. ले चल मुझे भुलावा दे कर,
6. पेशोला की प्रतिध्वनि

इकाई–2

2.1 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला और सुभद्राकुमारी चौहान का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएं।

2.2 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

1. संध्या सुंदरी
2. बादल राग : छह
3. वह तोड़ती पत्थर
4. खेत जोत कर घर आए हैं
5. बाँधों न नाव
6. स्नेह निर्झर बह गया है
7. वर दे
8. मैं अकेला
9. दुरित दूर करो नाथ

2.3 सुभद्राकुमारी चौहान ..... ठुकरा दो या प्यार करो

1. वीरों का कैसा हो बंसत
2. मुरझाया फूल
3. मेरे पथिक
4. झाँसी की रानी की समाधि पर
5. अनोखा दान
6. बालिका

17

इकाई–3

3.1 नागार्जुन और दुष्यन्त कुमार का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएं।

3.2 नागार्जुन –

1. सिंदूर तिलकित भाल
2. उषा की लाली

(प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन : संपादक, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)।

3.3 दुष्यन्त कुमार :

1. कहाँ तो तय था
2. हो गयी है पीर पर्वत–सी पिघलनी चाहिए
3. वो आदमी नहीं है
4. बाढ़ की संभावनाएँ

(साये में धूप, दुष्यन्त कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई–4

4.1 सुदामा पांडेय धूमिल का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएं।

4.2 सुदामा पांडेय धूमिल :

1. मोचीराम
2. रोटी और संसद

(ससंद से सड़क तक –धूमिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

संदर्भित पुस्तकें

1. डॉ कैलाश वाजपेयी, आधुनिक हिन्दी कविता में शिल्प, आत्माराम एण्ड सन्स, नई दिल्ली, संस्करण–1963।
2. प्रकाश आतुर, राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : एक पुनर्मूल्यांकन, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर, संस्करण–1987।
3. रामविलास शर्मा, निराला की साहित्य साधना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2009।
4. संपादक, सदानंद शाही, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2010।
5. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, हिन्दी कविता के सौ वर्ष, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, संस्करण–2011।
6. डॉ. नंद किशोर नवल, आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, संस्करण–2012।
7. लीलाधर मंडलोई, कविता के सौ वर्ष, शिल्पायन, नई दिल्ली, संस्करण–2013।
8. प्रेमशंकर, प्रसाद का काव्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2016।

बी.ए. ऐच्छिक कोर्स
(चतुर्थ सेमेस्टर)
हिन्दी गद्य साहित्य

विषय कोड–20UHND401-E

क्रेडिट : 06
पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, जिसमें पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 10X4=40 अंक।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित (हिन्दी गद्य साहित्य) रचनाकारों में से पाँच व्याख्याएं पूछी जांएगी, जिनमें से तीन व्याख्याएँ करनी होंगी 8+8+8=24अंक।

इकाई–1(कहानी)

1.1 उसने कहा था –चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
1.2 पूस की रात –मुंशी प्रेमचन्द
1.3 पाजेब – जैनेन्द्र कुमार
1.4 दोपहर का भोजन– अमरकान्त

इकाई–2 (नाटक)

2.1 अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

इकाई–3 (निबंध)

3.1 सरदार पूर्ण सिंह –मजदूरी और प्रेम
3.2 रामचन्द्र शुक्ल–करुणा
3.3 हजारी प्रसाद द्विवेदी–देवदारु
3.4 विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

इकाई–4 (उपन्यास)

4.1 गबन– प्रेमचन्द

सदर्भित पुस्तकें

1. डॉ. जयदेव तनेजा, हिन्दी नाटक दशा और दिशा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–1988।
2. डॉ राजमणि शर्मा, प्रसाद का गद्य साहित्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2002।
3. डॉ. बाबूराम, हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2002।
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, चिंतामणि भाग–1, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, संस्करण–2012।
5. रामचन्द्र तिवारी, हिन्दी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण–2016।
6. रामविलास शर्मा, प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2018।

बी.ए. ऐच्छिक कोर्स
(पांचवां सेमेस्टर)
हिन्दी भाषा और संप्रेषण

विषय कोड–20UHND501-E (AECC)

क्रेडिट : 06
पूर्णांक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64 अंक।

इकाई–1

1. भाषा की परिभाषा, प्रकृति और विविध रूप।
2. हिन्दी भाषा की विशेषताएं।
3. उपसर्ग, प्रत्यय,पर्यायवाची, विलोम शब्द।
4. मुहावरे, लोकोक्तियां।

इकाई–2

1. हिन्दी की वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।
2. स्वर के प्रकार।
3. व्यंजन के प्रकार।
4. शब्द के भेद(तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज)

इकाई–3

1. वर्णो का उच्चारण स्थान।
2. कण्ठ्य
3. तालव्य
4. मूर्धन्य
5. ओष्ठ एवं दन्तः ओष्ठय, दन्तोष्ठ्य

इकाई–4

1. संप्रेषण : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप।
2. हिन्दी भाषा संप्रेषण के चरण।
3. हिन्दी वाक्य रचना एवं वाक्य भेद।
4. संधि और समास

संदर्भित पुस्तकें

1. डॉ. हरदेव बाहरी, हिन्दीः उद्भव, विकास और रूप, किताब महल, नई दिल्ली, संस्करण–1998।
2. डॉ. विनोद कुमार प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, साक्षरा प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2000।
3. प्रशासनिक शब्दावली, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली, संस्करण–2003।
4. डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित, भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबन्धन, किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2004।
5. डॉ. नरेश मिश्र, भाषा और हिन्दी भाषा का इतिहास, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, संस्करण–2006।
6. कामता प्रसाद गुरु, हिन्दी व्याकरण, साहित्यवाचस्पति, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, संस्करण–2009।
7. उदयनारायण तिवारी, हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास, भारती भंडार, प्रयाग, संवत्–2018।

बी.ए. ऐच्छिक कोर्स
(पांचवां सेमेस्टर)
प्रयोजनमूलक हिन्दी

विषय कोड–20UHND502-E

केडिट : 06
पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

3. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
4. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64 अंक।

इकाई–1

1.5 हिन्दी के विविध रूप :– मातृभाषा, सम्पर्कभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, अन्तर्राष्ट्रीयभाषा।
1.6 प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा और क्षेत्र।
1.7 प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रकार।
1.8 प्रयोजनमूलक हिन्दी का महत्त्व।

इकाई–2

2.5 पत्र लेखन :– सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र।
2.6 संक्षेपण।
2.7 पल्लवन।
2.8 टिप्पण।

इकाई–3

3.5 कम्प्यूटर में हिन्दी प्रयोग।
3.6 कम्प्यूटर की संरचना
3.7 इंटरनेट कार्यप्रणाली।
3.8 हिन्दी में इंटरनेट की उपयोगिता।

इकाई–4

4.5 विविध संचार माध्यमों की उपयोगिता।
4.6 रेडियो ।
4.7 टेलिविजन।
4.8 विज्ञापन।

संदर्भित पुस्तकें

1. प्रशासनिक शब्दावली, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली, संस्करण–2003।
2. डॉ. रामगोपाल सिंह, प्रयोजनमूलक हिन्दी, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद, संस्करण–2005।
3. कैलाशनाथ पाण्डेय, प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2007।
4. डॉ. पूरनचंद टंडन, हिन्दी, प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद, किताबघर, नई दिल्ली, संस्करण–2011।
5. सुरेशकातं, बैंकों में हिन्दी का प्रयोग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2013।
6. डॉ. नरेश मिश्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी,राजपाल एंड संस, नई दिल्ली, संस्करण–2013।
7. माधव सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2015।

बी.ए. ऐच्छिक कोर्स
(छठा सेमेस्टर)
कम्प्यूटर और हिन्दी भाषा

विषय कोड–20UHND601-E

क्रेडिट : 06
पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 16X4=64 अंक।

इकाई–1

कम्प्यूटर का विकास और हिन्दी

1. कम्प्यूटर का परिचय और विकास के विभिन्न चरण
2. कम्प्यूटर में हिन्दी आरम्भ
3. कम्प्यूटर में हिन्दी के विविध फॉण्ट
4. कम्प्यूटर में हिन्दी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

इकाई–2

हिन्दी भाषा और प्रौद्योगिकी

1. इन्टरनेट पर हिन्दी एवं इन्टरनेट में प्रयोग होने वाली हिन्दी
2. यूनिकोड देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा
3. हिन्दी और वेब डिजाइनिंग
4. हिन्दी की विभिन्न वेबसाइट

इकाई–3

हिन्दी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस

1. राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका
2. ई–गवर्नेंस में हिन्दी का प्रयोग
3. कम्प्यूटर के माध्यम से हिन्दी शिक्षण और ई–लर्निंग
4. सरकार और गैर सरकारी संस्थाओं में प्रयोग होने वाली हिन्दी भाषा

इकाई–4

हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर : विविध पक्ष

1. इन्टरनेट पर हिन्दी पत्र–पत्रिकाएँ
2. एस.एम.एस.की हिन्दी
3. न्यू मीडिया और हिन्दी भाषा
4. हिन्दी के की–बोर्ड का परिचय

संदर्भित पुस्तकें

1. डॉ विनोद कुमार प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, साक्षरा प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2000।
2. गुंजन शर्मा, कम्प्यूटर बेसिक शिक्षा, ठाकुर एंड सन्स, नई दिल्ली, संस्करण–2006।
3. विनोद कुमार मिश्र, आधुनिक कम्प्यूटर विज्ञान, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2006।
4. डॉ. नरेश मिश्र, भाषा और हिन्दी भाषा का इतिहास, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, संस्करण 2006।
5. राजेश रंजन, अपना कम्प्यूटर अपनी भाषा में, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2013।
6. डॉ. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2016।

बी.ए. ऐच्छिक कोर्स
(छठा सेमेस्टर)
हिन्दी संत काव्यधारा

विषय कोड–20UHND602-E

केडिट : 06
पूर्णांक : 100
लिखित : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्देश :–

1. पहला प्रश्न अनिवार्य है, जिसमें पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। 8X2=16 अंक।
2. दूसरे प्रश्न में प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक–एक प्रश्न करना होगा। 10X4=40 अंक।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित (हिन्दी संत काव्यधारा) आठ कवियों की कविताओं में से पाँच व्याख्याएं पूछी जाएंगी, जिनमें से तीन व्याख्याएँ करनी होंगी 8+8+8=24

इकाई–1

1.1 नामदेव और रविदास का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएं।

1.2 नामदेव –

1. कहां करू .....जीवु (गुरु ग्रंथ साहिब से) पृष्ठ संख्या–485
2. एकल माटी.....दासा रे (गुरु ग्रंथ साहिब से) पृष्ठ संख्या–988
3. धनी–धनी .....आनंद करै (गुरु ग्रंथ साहिब से) पृष्ठ संख्या–988
4. हँसत खेलत .....देहुरा फिरै (गुरु ग्रंथ साहिब से) पृष्ठ संख्या–1164
5. सभु गोबिंदु है सभु गोबिंदु ..... बिचरत आन न होई। (वही)
6. काहे रे मन भुला फिरई ..... झूठी आसा। (संत साहित्य की समझ से, पृष्ठ.31)
7. भइया कोई तुलै ..... कौंने काम। (वही, पृष्ठ–32)
8. वेणी पिराग ..... निरंजन। (वही, पृष्ठ–31)
9. धनि–धनि ओ राम बेनु .....सुआमी आनन्द करैं (श्री गुरु ग्रंथ साहिब से, पृष्ठ–988)

स्रोत– गुरु ग्रंथ साहिब, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी, श्री अमृतसर एवं संत साहित्य की समझ

1.3 रविदास –

1. बिनु देखै ..... अभाग। (संत गुरु रविदास वाणी से) पृष्ठ संख्या–66
2. आयो आयो .....परगट करीजै (संत गुरु रविदास वाणी से) पृष्ठ संख्या–72
3. नरहरि! .....जगत अधारा। (संत गुरु रविदास वाणी से) पृष्ठ संख्या–73–74
4. जग राम नाम..... ठौरहिं पावैगा। (संत गुरु रविदास वाणी से) पृष्ठ संख्या–75
5. मेरी संगति ..... न बिलांवा। (संत गुरु रविदास वाणी से) पृष्ठ संख्या–79–80
6. तोही मोही ..... समझावै कोउ। (संत गुरु रविदास वाणी से) पृष्ठ– संख्या–83
7. जउ तुम गिरिवर ..... 'रविदासा'। (संत गुरु रविदास वाणी से) पृष्ठ संख्या–95
8. अब कैसे छूटै ..... 'रविदासा'। (संत गुरु रविदास वाणी से) पृष्ठ संख्या–96
9. संतो भगति ..... उलटि समाई। (संत गुरु रविदास वाणी से) पृष्ठ संख्या–131–132

स्रोत–संतगुरु रविदास–वाणी, बेणीप्रसाद शर्मा, सूर्य प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई–2

2.1 जंभनाथ (जम्भेश्वर) और गुरु नानक देव का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएं।

2.2 जंभनाथ (जम्भेश्वर)

1. किणरी थरपी छाली रोसो, ...न घाई। (शब्दवाणी जम्भसागर से,शब्द संख्या–8) पृष्ठ संख्या–38
2. चर फिरि आवै .....रहिया खाली ।(शब्दवाणी जम्भसागर से,शब्द संख्या–11) पृष्ठ संख्या–44
3. पाते भूला मूल ..... जीवन का मूलूँ (शब्दवाणी जम्भसागर से,शब्द संख्या–15) पृष्ठ संख्या–55
4. बेड़ी काठ संजोगे .....उत्तम संग सनेहूँ (शब्दवाणी जम्भसागर से,शब्द संख्या–16) पृष्ठ संख्या–57
5. ना मेरे माया.....चीन्हों तहां पायो (शब्दवाणी जम्भसागर से शब्द,संख्या–19) पृष्ठ संख्या–63–64
6. घणा दिनाका ..... किरिया सारूं (शब्दवाणी जम्भसागर से,शब्द संख्या–26) पृष्ठ संख्या–69
7. जो चित होता .....किसका पख परवारू (शब्दवाणी जम्भसागर से,शब्द संख्या–33) पृष्ठ संख्या–106
8. ओम तइया सांसू ..... विबरस देखो लोई (शब्दवाणी जम्भसागर से,शब्द संख्या–50) पृष्ठ संख्या–131
9. जो नर घोड़ै .....दो जग खारूं (शब्दवाणी जम्भसागर से,शब्द संख्या–83) पृष्ठ संख्या–230–231

स्रोत – शब्दवाणी जंभसागर, कृष्णानंद आचार्य, बिश्नोई मंदिर,ऋषिकेश (उत्तराखंड)

2.3 गुरु नानक देव

सलोकु

1. पवणु गुरु पाणी पिता माता धरति महतु ..... केती छूटी नालि।
(नानक वाणी भाग–1, पृष्ठसंख्या–99)
2. सिंमल रुखु सराइरा अति दोरघ..... रिदै कुसधे जाहि।
(नानक वाणी भाग–1, पृष्ठसंख्या–344)
3. दइआ कपाह संतोखु सूतु ..... वे तगा गइआ।
(नानक वाणी भाग–1, पृष्ठसंख्या–346)
4. भंडि जंमीऐं भंड़ि निमीऐ ..... तितु सचै दरबारि।
(नानक वाणी भाग–1, पृष्ठसंख्या–352)
5. गगन मे थालु रवि चंदु दीपक बने : .....बाजंत भेरी ।
(नानक वाणी भाग–1, पृष्ठसंख्या–416)
6. एहु जगु आपि उपाइओनु ..... हरि नामु निधानु।
(नानक वाणी भाग–2, पृष्ठसंख्या–464)
7. दीवा बलै अंधेरा जाइ..... कोई न मेटणहारु।
(नानक वाणी भाग–2, पृष्ठसंख्या–471)
8. गुरु कै सबदि तरे मुनि केते ..... साच सबदि निसतारा।1।
(नानक वाणी भाग–2, पृष्ठसंख्या–691–692)
9. पढ़ि पुस्तक संधिया बादं ..... बिनु सतिगुर बाट न पावै।
(नानक वाणी भाग–2, पृष्ठसंख्या–802)

स्रोत –नानक वाणी भाग–1,2, संपादक, डॉ. जयराम मिश्र,मित्र प्रकाशन, इलाहाबाद।

इकाई–3

3.1 दादूदयाल और गरीबदास का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएं।

3.2 दादूदयाल

1. दादू नाव चढाइ ..... सिद्ध सोइ।
(गुरु देव को अंग से, दोहा – 11, पृष्ठ संख्या –2)
2. राम तुम्हारे ..... कत ठौर।
(सुमिरण का अंग से, दोहा –10, पृष्ठ संख्या– 25)
3. दादू राम अगाध ..... न होई।
(सुमिरण का अंग से, दोहा – 18, पृष्ठ संख्या– 26)
4. मन का चित्त ..... आस।
(बिरह का अंग से, दोहा – 4, पृष्ठ संख्या –42)
5. सबद ..... जारी।
बिरह का अंग से, दोहा – 7, पृष्ठ संख्या –42)
6. यहू सबै ..... सोई।
(माया का अंग से, दोहा – 7, पृष्ठ संख्या– 161)
7. दादू ..... फूल।
(माया का अंग से, दोहा – 12, पृष्ठ संख्या– 161)
8. राम मिलन ..... बौरे।
(साँच का अंग से, दोहा – 110, पृष्ठ संख्या– 200)
9. सुधा ..... दिखाई।
(साँच का अंग से, दोहा – 152, पृष्ठ संख्या– 205)
10. ए दिन बीते ..... गरासै जाइ।
(काल का अंग से, दोहा – 46, पृष्ठ संख्या– 302)
11. जे दिन जाइ .....ढ़ील न कीजै।
(काल का अंग से, दोहा – 56, पृष्ठ संख्या– 303)
12. दादू अचेत न ..... तहं ही नित्त।

(चितावणी का अंग से, दोहा – 7, पृष्ठ संख्या– 140)

13. आपा पर सब..... सकै तो जाग।
(चितावणी का अंग से, दोहा – 10, पृष्ठ संख्या– 141)
14. जब लग यहु ..... मिलेगा सोई।
(मन का अंग से, दोहा – 13, पृष्ठ संख्या– 142)
15. यहु मन कागद ..... हम पास।
(मन का अंग से, दोहा – 19, पृष्ठ संख्या– 144)

स्रोत : संपादक, चंद्रिकाप्रसाद त्रिपाठी, श्री स्वामी दादूदयाल की वाणी, वैदिक यन्त्रालय, अजमेर

3.3 गरीबदास

सतगुरु की महिमा

1. गरीब, सतगुरु संगति ..... जतन कर घीव।
2. गरीब परमानंद ..... कहां छापेले दाग।
3. गरीब, कंमली कै..... पढ़त है वेद।
4. गरीब, पॉच पचीस ..... यौ चौरासी जाय।
5. गरीब, सतगुरु सुरति.....हसां चढैं जिहाज।
6. गरीब, संगत ..... किस कूं बूझै पथ।
7. गरीब, साधौ की संगति ..... और उतारै खेव।
8. गरीब, संगति .....ज्यों मूली का खेत।
9. गरीब, ऐसी संगति ..... जम मारेगा फेट।
10. गरीब, ऐसी संगत ..... तो सूझै अगम अगाध।
11. गरीब, धन्य जननी ..... जहां साधू प्रवेश।
12. गरीब, जहां साधु ..... भभूति दई महादेव।
13. गरीब, सांई सरीखें ..... बाहर भीतर एक।
14. गरीब, ऐसे साधु ..... अन्तर नांही घात।
15. गरीब, सारग्राही ..... रटते चारौं बेद।

स्रोत – हरियाणवी लोकधारा, प्रकाशन विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वद्यिालय, कुरुक्षेत्र

इकाई–4

4.1 नितानंद और ब्रह्मानंद सरस्वती का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं काव्यगत विशेषताएं।

4.2 नितानंद –

1. आप निरंजन .....भवसागर से पार।।
(गुरुदेव का अंग से, दोहा संख्या 5, पृष्ठ संख्या 1)
2. नितानन्द गुरुदेव ने .....भर दिए हीरे लाल।।
(गुरुदेव का अंग से, दोहा संख्या 18, पृष्ठ संख्या 2)
3. जिसका गुरु अज्ञान है.....नितानंद जग फन्द ।।
(गुरुदेव का अंग से, दोहा संख्या 24, पृष्ठ संख्या 5)
4. जीव मुसाफर.....फजर राह लग जाहिं।।
(चेतावणी का अंग से, दोहा संख्या 2, पृष्ठ संख्या 114)
5. नितानन्द इस जगत को,..... बिखरी सुरत बहोड़।।
(चेतावणी का अंग से, दोहा संख्या 19, पृष्ठ संख्या 116)
6. करता कंचन त्याग.....कालर का खेत।।
(चेतावणी का अंग से, दोहा संख्या 85, पृष्ठ संख्या 122)
7. मन के मते ..... सुलट निरंजन लाग।।
(मन का अंग से, दोहा संख्या 51, पृष्ठ संख्या 152)
8. यह मन मृग ..... भूनूं देह समेत।।
(मन का अंग से, दोहा संख्या 64, पृष्ठ संख्या 153)
9. मन गंगा मन.....विषय वासना त्याग।।
(मन का अंग से, दोहा संख्या 99, पृष्ठ संख्या 156)

10. माया से काया.....मरण का रोग।।
(माया का अंग से, दोहा संख्या 19, पृष्ठ संख्या 173)
11. ठांव ठांव ठगती.....मुगद्र नर मार।।
(माया का अंग से, दोहा संख्या 45, पृष्ठ संख्या 175)
12. माया तरवर तिमर.....भोगनहार।।
(माया का अंग से, दोहा संख्या 131, पृष्ठ संख्या 184)
13. जो कोई पड़े.....कोई पछताय।।
(कुसंग का अंग से, दोहा संख्या 1, पृष्ठ संख्या 235)
14. कांजी की इक..... जन्म विहाय।।
(कुसंग का अंग से, दोहा संख्या 2, पृष्ठ संख्या 235)
15. ओछी संग.....जन्म अकारथ जाय।।
(कुसंग का अंग से, दोहा संख्या 131, पृष्ठ संख्या 184)

स्रोत –स्वामी नितानंद कृत, सत्य सिद्धान्त प्रकाश, शब्द वाणी संग्रह, स्वामी नितानंद, जटेला धाम,दूबलधन (हरियाणा)।

4.3 ब्रह्मानंद सरस्वती

1. शान्ति बराबर तप..... दया से न्यारा धर्म (गीता तत्व से)। पृष्ठ संख्या 121
2. असली कुटुम्ब को ..... पड़ रही रोल । पृष्ठ संख्या 122
3. अपनी जड़ उखाड़ ..... औरों की बना दे तू। पृष्ठ संख्या 121
4. बोध गया सब कुछ .....और फूल गया है बुच। पृष्ठ संख्या 125
5. जो तुम चाहो मदद .....संग लेकर चलना होगा। पृष्ठ संख्या 127
6. काला मुहँ तो सबका है ..... दुनिया दुखियां होई। पृष्ठ संख्या 128
7. षट्रस का जो त्याग ..... दुनियां हो रही रोगी। पृष्ठ संख्या 129
8. शरीर गाड़ी ..... बैठा मतवाला। पृष्ठ संख्या 137
9. सत्य की हमेशा जीत है ..... किसको मिली है खैर। पृष्ठ संख्या 141
10. साथ में आओं साथ .....जो लगे तुम्हारें आंट। पृष्ठ संख्या 141
11. एक रस है आत्मा ..... जामें मरे है जौण। पृष्ठ संख्या 142
12. कोई नही किसी का भाई ..... शरीर से रहती न्यारी। पृष्ठ संख्या 143
13. खोद पीट धरती ..... सहा न जाए। पृष्ठ संख्या 145
14. संत साई के लाडले ..... सांई जाता ऊत।
15. कर्म योग को करके ..... निकल गये बेलाग। पृष्ठ संख्या 151

स्रोत–संत ब्रह्मानन्द सरस्वती ग्रंथावली, संपादक, डॉ. बाबूराम, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पचंकूला

संदर्भित पुस्तकें

1. डॉ. मनमोहन सहगल, संत काव्य का दार्शनिक विश्लेषण, भारतेन्दु भवन, चण्डीगढ़, संस्करण–1965।
2. डॉ. रत्न सिंह जग्गी, गुरु नानक : व्यक्तित्त्व, कृतित्त्व और चिंतन, भाषा विभाग, पटियाला, संस्करण–1972।
3. डॉ जयभगवान् गोयल, संत साहित्य नये आयाम, आत्मा राम एण्ड सन्स, नई दिल्ली, संस्करण–1992।
4. प्रोफेसर रामसजन पाण्डेय, भक्तिकालीन हिन्दी निर्गुण काव्य का सांस्कृतिक अनुशीलन, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–1996।
5. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, उत्तरी भारत की संत परम्परा, साहित्य भवन, इलाहाबाद, संस्करण–2010।
6. संपादक, डॉ. बाबूराम, संत ब्रह्मानन्द सरस्वती ग्रंथावली, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, संस्करण–2012।
7. संपादक, डॉ. सुरेन्द्र बिश्नोई, गुरु जाम्भोजी का वैश्विक चिन्तन, जांभाणी साहित्य अकादमी, बीकानेर (राजस्थान), संस्करण–2013।
8. संपादक, मीरा गौतम, गुरु रविदास : वाणी एवं महत्व, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2014।
9. कृष्ण गोपाल, भारत की संत परम्परा और सामाजिक समरसता, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, संस्करण–2015।
10. संपादक, श्यामसुन्दरदास, कबीर ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी, संवत्–2055।